(राजस्थान–सरकार)

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, बारॉ (राज.)

पीठासीन अधिकारी भंवर लाल जनागल (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या :– 14 / 2025

पंजीकरण सं. :– 2025 / 95

बउनवान

राज0 सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ(राज.)

(प्रार्थी)

बनाम

1. श्री रामराज पुत्र श्री रामधन गुर्जर जाति गुर्जर निवासी वार्ड नं. 25, मारवाडा बस्ती, बारां, जिला बारॉ (राज.) (विक्रेता / मालिक) मैसर्स देवकृष्णा किराना स्टोर, शिवाजी नगर, बारां जिला बारां (राज.)
2. श्री चंद्रप्रकाश पुत्र श्री रतनलाल प्रो. मैसर्स यश एजेन्सी, बाबजी नगर, पावर हाउस के पास, बारां
3. प्रो. मैसर्स श्री ताडकेश्वर एग्रो फूड प्रोडक्ट, Factory Unit-1 H1-37/37A, RIICO Industrial Area, Sarna Dungar, Jhotwara Ext. Jaipur- 302012

(अप्रार्थीगण)

जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) / 51 एफएसएस एक्ट 2006 रूल्स, 2011

उपस्थिति :– 1–उपस्थित खा.सु.अ. (प्रार्थी)

2–श्री रोहित सिंह अभिभाषक (अप्रार्थीगण)

निर्णय दिनांक 15.05.2026

प्रकरण राजस्थान सरकार जर्ये श्री गोवर्धन सिंह ख्यालिया, तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ द्वारा इस आशय का पेश किया कि आवेदक दिनांक 24.04.2024 को मैसर्स देवकृष्णा किराना स्टोर, शिवाजी नगर, बारां जिला बारां (राज.) पर पहुंचा। वहॉ पर श्री रामराज पुत्र श्री रामधन गुर्जर (विक्रेता एवं मालिक) की हैसियत से उपस्थित था, कि उपस्थिति में निरीक्षण किया गया।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 24.04.2024 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ मे खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य सम्पादित कर रहा हूँ और मुझे राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 02.12.2022 के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्रीमान आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान जयपुर के आदेश क्रमांक आयुक्ता0 / खासुऔनि / संस्था / 2022 / 6235 दि. 22.12.2022 से कार्यक्षेत्र जिला बारां आवंटित किया गया तथा आदेश क्रमांक 6379 दिनांक 26.12.2022 के अनुसार मुझे ब्रास सील संख्या 61 आवंटित की गई एवं आदेश क्रमांक / प. 5(01)चिस्वा / ग्रुप–3 / ई–5095 / 2024 दिनांक 28.06.2024 को अधिसूचित किया गया एवं आदेश क्रमांक / आयुक्ता. / संस्था / 2024 / 1211 दिनांक 08.07.2024 को अग्रिम आदेशों तक खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य संपादन करने के लिए अनुमति प्रदान की गई।

यह कि आवेदक द्वारा निरीक्षण किया जहॉ पर खाद्य पदार्थ **कुकिंग मीडियम मूल गत्ते पैक 500 एमएल** 10 लीटर आम जनता को विक्रय हेतु रखा हुआ था। मैंने अपना परिचय पत्र दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया। विक्रेता से मौके पर खाद्य पदार्थ **कुकिंग मीडियम मूल गत्ते पैक** में मिलावट का शक होने पर नमूना लेने हेतु विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नं0 5ए की प्रति स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति मे तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बारॉ द्वारा खाद्य पदार्थ **कुकिंग मीडियम मूल गत्ते पैक** 02 लीटर वास्ते नमूना जांच हेतु खरीदा जिसकी कीमत रामराज पुत्र श्री रामधन गुर्जर (विक्रेता एवं मालिक) (विक्रेता / मालिक) को 500 / – रूपये (अक्षरे पांच सौ रूपये) नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर है तथा उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं आवेदक ने हस्ताक्षर किये जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक ने खरीदशुदा खाद्य पदार्थ **कुकिंग मीडियम मूल गत्ते पैक** के प्रत्येक भाग पर लेबल तैयार कर चिपकाये और लेबलों पर डी.ओ. के कोड एवं क्रमांक ए.एच.–2074 दर्ज किया। प्रत्येक लेबल पर स्वयं ने हस्ताक्षर किये एवं मालिक तथा गवाहान के हस्ताक्षर कराये। चारों नमूना भागों को अलग–अलग कागज में लपेट कर प्रत्येक नमूना भाग पर डी.ओ. बारां की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नं. ए.एच.–2074

नियमानुसार चारों नमूना भागों पर नीचे से ऊपर तक फेविकोल से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनो पर आवे एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाह के हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर मेरे द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने जाप्तें में लिया।

आवेदक ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढकर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा, जिसे राजेश कुमार पुत्र श्री रामराज पुत्र श्री रामधन गुर्जर (विक्रेता एवं मालिक) (विक्रेता/मालिक) ने भी पढकर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये।

आवेदक ने कार्यालय पहुंच कर फार्म नं. 6 की प्रतियॉ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म नं0 6 की प्रति के आउटर कवर मे सीलबन्द कर सील मोहर कर खाद्य विशलेषक कोटा को जमा करवाकर रसीद प्राप्त की जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। दो फार्म नं0 6 की प्रति अलग से एक लिफाफे मे बन्द कर चपडी से सील मोहर कर खाद्य विश्सलेषक, कोटा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की। जो आवेदन के साथ संलग्न है। शेष दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं0 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग डी.ओ. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोटा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्यायनिर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां के पत्र क्रमांक/एफएसएसए/2024/739 दिनांक 14.05.2024 से ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट संख्या 451/PHL/Kota/Act/2024/506 दिनांक 07.05.2024 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय किया गया खाद्य पदार्थ **मावा लूज** खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 3(1)(zx) के तहत **अवमानक (Sub Standard)** होना पाया गया।

इस पर प्रकरण दिनांक 25.11.2025 को दर्ज रजिस्टर किया जाकर, अप्रार्थीगण को जर्ये रजिस्टर्ड सम्मन से तलब किया गया। अप्रार्थीगण द्वारा जरिये अभिभाषक उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत किया गया जो शामिल पत्रावली किया जाकर प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई।

राज. सरकार जरिये प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बारां ने परिवाद में अंकित किया है कि अप्रार्थीगण द्वारा जिस खाद्य पदार्थ **कुकिंग मीडियम मूल गत्ते पैक** को वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय किया गया था, वह खाद्य विश्लेषक कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट संख्या 451/PHL/Kota/Act/2024/506 दिनांक 07.05.2024 के अनुसार,खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 3(1)(zx) के तहत **अवमानक (Sub Standard)** होना पाया गया। अप्रार्थीगण का उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(।।) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 51 में निर्धारित है। अतः अप्रार्थीगण को भारी से भारी जुर्माने से दण्डित किया जावे।

अप्रार्थीगण के अभिभाषक द्वारा दौराने बहस प्रस्तुत जवाब के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया गया कि अप्रार्थी क्रम 01 ने उक्त खाद्य पदार्थ अप्रार्थी क्रम 02 से मूल पैक सील्ड की स्थिति में खरीदा था। अप्रार्थी क्रम 01 व 02 ने धारा 26(4) के तहत बिल भी पेश कर दिये। अप्रार्थी क्रम 03 उक्त खाद्य पदार्थ पैकेट के निर्माता है, इस कारण से यदि पैकेट में कोई कमी पाई जाती है तो इसका उत्तरदायी अप्रार्थी क्रम 03 है। खाद्य विश्लेषक रिपोर्ट के अनुसार केवल Test for Vitamin A में Negative परिणाम दर्शाया गया है जबकि मानक के अनुसार Positive (Fortified with Vitamin A) अपेक्षित था। अतः कथित कमी केवल एक सूक्ष्म तकनीकी आधार पर है, न कि खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता या सुरक्षा पर जिससे यह स्पष्ट है कि नमूना मिलावटी या मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है। इस कारण से अप्रार्थी क्रम 03 दोषी नहीं है। अतः अप्रार्थीगण के खिलाफ प्रस्तुत कार्यवाही निरस्त फरमाई जावें।

प्रार्थी राजस्थान सरकार जर्ये खाद्य सुरक्षा अधिकारी बारॉ द्वारा कहा गया कि अप्रार्थीगण यदि खाद्य विश्लेषक, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 451/PHL/Kota/Act/2024/506 दिनांक 07.05.2024 से असन्तुष्ट थे तो अप्रार्थीगण को जर्ये रजिस्टर्ड पत्र क्रमांक/एफएसएसए/2024/739 दिनांक 14.05.2024 से सूचित किया जाकर एक माह का समय दिया गया था कि उक्त सेम्पल की पुनः जॉच करवाये। किन्तु अप्रार्थीगण द्वारा उक्त सेम्पल की अन्य लेबोरेट्री में पुनः जॉच नहीं करवायी गई है।

प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई और पत्रावली का आद्योपान्त अवलोकन किया गया प्रकरण में अप्रार्थीगण से वास्ते नमूना जॉच हेतु क्रय किया गया खाद्य पदार्थ **कुकिंग मीडियम मूल गत्ते पैक** खाद्य विश्लेषक कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट संख्या 451/PHL/Kota/Act/2024/506 दिनांक 07.05.2024 से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 3(1)(zx) के तहत **अवमानक (Sub Standard)** होना पाया गया। उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(।।) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 51 के तहत प्रकरण में अप्रार्थी क्रम 01 व 02 को दोषमुक्त किया जाता है एवं अप्रार्थी क्रम 03 को कुल जुर्माना राशि 40,000/– रूपये (अक्षरे चालीस हजार रूपये) के आर्थिक दण्ड से दण्डित किया जाता है। अप्रार्थी क्रम 03 उक्त जुर्माना राशि ई–मित्र सेवा केन्द्र से चालान निकलवाकर, जरिये चालान बैंक मे **निर्धारित मद 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04 लोक स्वास्थ्य, 800 अन्य प्राप्तियां, 03 खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत अनुज्ञा पत्र शुल्क आदि** में जमा करवाकर, चालान की प्रति इस न्यायालय मे अन्दर एक माह प्रस्तुत करे।

निर्णय आज दिनांक **15.05.2026** को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(भंवर लाल जनागल)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अति0 जिला मजिस्ट्रेट,
बारॉ (राज.)